Page No.:
Date:

HISTORY (H)

B.A. – III PART – 'E'

PAPER – Vth.

HISTORY OF INDIA (1550–1750)

UNIT Vth. urban centres.

c) urban social structure.

⇒ **जीवंत नगर और साहित्यिक संस्कृति:**

शहरी केन्द्र वो थे जहाँ कवि, साहित्यिक प्रकृति के व्यक्ति, विद्वान इत्यादि अच्छे अवसरों व संरक्षक की खोज में अपनी प्रतिभाओं को प्रकट करने के लिए इकट्ठे होते थे। अहल-ए-कलम (कलम के धनी पुरुष) शहरी सामाजिक जीवन के कुंजी थे।

अमिरो की नीजि महफिलें भी नर्तकियों व संगीतकारों से भरी होती थी। खाफी खान का मानना था कि ये सब पतन के मुख्य कारण थे। वे अफसोस जताते हुए बताते हैं कि अमीरों के बेटों ने अपनी पारिवारिक व्यवसायों को त्याग दिया और वे संगीत में अपनी प्रतिभा की तलाश कर रहे हैं। दरगाह कुली खान अपने मुरक्का में वर्णन करते है कि दिल्ली में संगीत एक लोकप्रिय

Page No.:
Date:

और मनोरंजन का व्यापक रूप था।

शाहजहाँ के अमीर शाह नवाज सफावी के पास बड़ी संख्या में इतने संगीतकार व गायक थे उतने किसी अन्य अमीर के घर में नहीं थे। संगीत का आयोजन मनोरंजन और विश्राम के सबसे सुगम साधन थे। शाहजहाँ का पसंदीदा गायक और संगीतकार (कलावंत) रविन्द्र, चिता खान, लाल खान और श्रीमन थे। मुहम्मद शाह जो खुद भी संगीत के शौकीन थे।

मदरसा (माध्यमिक विद्यालय) और मकतब (प्रारंभिक विद्यालय) हमेशा मस्जिदों से जुड़ा होता था। जहाँ प्राथमिक शिक्षा दी जाती थी। बनारसीदास और मुहम्मद गौस शत्तारी के शैक्षणिक जीवन, शहरों में शिक्षा के स्वरूप पर प्रकाश डालते हैं। बनारसीदास जो एक जैन बनिया थे, इन्हें एक ब्राह्मण शिक्षक के पास पढ़ना और लिखना सीखने के लिए एक गुरुकुल (पाठशाला) भेजा गया था। इसके विपरीत बालकृष्ण ब्राह्मण को अपनी प्रारंभिक

Page No.:
Date:

शिक्षा के लिए मकतब खोला जाता था। इन मकतबों के पाठ्यक्रम अच्छी तरह से परिभाषित थे और समयानुसार इसमें संशोधन भी किया जाता था।

अभिजात्य महिलाओं को प्रारंभिक स्तर पर समान रूप से शिक्षा दी जाती थी। कई शाही महिलाएँ असाधारण कविताओं की रचना कर थी। अकबर की बुआ गुलबदन बेगम को फारसी और तुर्की का अच्छा ज्ञान था। इन्होंने कई कविताओं की रचना की और साथ ही अकबर के अनुरोध पर हुमायूँ नामा भी लिखा। औरंगजेब की बेटी जेब अलनिसा एक महान कवियित्री थी और मख्फी (गुप्त) के छद्म नाम से कविताओं की रचना करती थी। इन्होंने एक विशाल पुस्तकालय बनाया और कलाकारों के प्रशिक्षण के लिए बैत-उल-उलूम (अकादमी) की स्थापना की।

मुगल सम्राट विशेषकर बाबर और जहाँगीर महान लेखक थे। अकबर का पुस्तकालय विशाल था जिसमें लगभग 26,000 पुस्तकें

थे। अकबर के अमीर अब्दुर रहीम खान - ए - खाना कवियों, लेखकों विद्वानों, खुशनवीस, औपचित्र-कारों का महान संरक्षक था। वह खुद महान इंसान लेखक थे जिन्होंने अब्दुल्लाह खान उज्बेक के लिए पत्र तैयार किया था। वे खुद भी हिन्दी कविता के महान विद्वान थे तथा हिन्दी कवियों को संरक्षण प्रदान किया।

बंगाल में वैष्णव भक्ति के प्रभाव में कई संत कवि उभरे। सत्तरहवी शताब्दी के दौरान वैष्णव भक्ति के प्रभाव में अनेक महिलाओं ने भाषा और साहित्य में अपनी रुचि जताई। अन्नपा देवी भक्ति शास्त्र में अच्छी तरह से निपुण थी। इसी तरह से श्री निवास आचार्य की बहु सत्यभामा देवी दार्शनिक व्याख्यानों में भाग लिया करती थी। नित्यानंद की बहू ने अनंगा का देबावली की रचना की।

⇒ सारांश:

शहर सामाजिक संबंधों के साथ - साथ आर्थिक व्यवहारों

के लिए फलते-फूलते उपयुक्त स्थान थे। मध्य कालीन शहरी संस्कृति पर दरबारी संस्कृति का प्रभुत्व था। अशराफ और अजलाफ के मध्य सामाजिक पदानुक्रम मौजूद था, फिर भी विभिन्न सामाजिक समूहों के बीच 'अलगाव' की तुलना में अधिक प्रगाढ़ था। सामाजिक सामंजस्य और परा संस्कृतिक मेल-मिलाप मध्य कालीन शहरी सामाजिक लोकाचारों की महत्वपूर्ण कुंजी थी।

DR. UDAY KUMAR.
DR. L. K. V. D. College Tajpur